हिन्दी दैनिक

# पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

वर्ष:4 अंक:278 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, रविवार, 12 अक्टूबर 2025


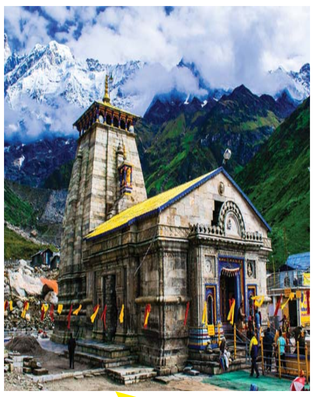

# मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के सख्त निर्देशों पर 350 से अधिक सैंपलों की जांच, दर्जनों मेडिकल स्टोर्स के लाइसेंस रद्द

**पथ प्रवाह, देहरादून।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के सख्त दिशा-निर्देशों पर उत्तराखंड में बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए औषधि विभाग ने बड़ा राज्यव्यापी अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य बाजार में बिकने वाले कफ सिरप की गुणवत्ता और सुरक्षा की जांच करना है, ताकि किसी भी प्रकार की हानिकारक या प्रतिबंधित औषधि बच्चों तक न पहुँच सके।

राज्यभर में औषधि विभाग ने मेडिकल स्टोर्स, होलसेल डिपो, फार्मा यूनिट्स और बच्चों के अस्पतालों में औचक निरीक्षण शुरू कर दिया है। अब तक 350 से अधिक सैंपल जांच हेतु लिए जा चुके हैं, जबकि एक दर्जन से अधिक मेडिकल स्टोर्स के लाइसेंस निरस्त किए गए हैं। कई अन्य को कड़ी चेतावनी भी दी गई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने निर्देश दिए हैं कि राज्य में बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ÷हमारा लक्ष्य है कि उत्तराखंड में ऐसा कोई सिरप न बिके, जो बच्चों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बने। यह सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा है।÷

### देहरादून में औषधि विभाग की सघन कार्रवाई

देहरादून में आयुक्त एवं अपर आयुक्त (एफडीए) के निर्देश पर औषधि निरीक्षक मानेंद्र सिंह राणा के नेतृत्व में टीम ने पलटन बाजार, घंटाघर, ऋषिकेश रोड, जॉलीग्रांट, अजबपुर और नेहरू कॉलोनी क्षेत्रों में मेडिकल स्टोर्स और थोक विक्रेताओं की जांच की।

निरीक्षण के दौरान बच्चों की सर्दी-खांसी की कुछ दवाइयाँ अलग से भंडारित पाई गईं, जिन्हें मौके पर सील कर दिया गया और बिक्री पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई। एक मेडिकल स्टोर को बंद किया गया, और 11 औषधियों के नमूने जांच हेतु संकलित किए गए। टीम ने बताया कि SYP. Coldrif, SYP. Respifresh-TR और SYP. Relife जैसी प्रतिबंधित दवाएँ स्टोर्स पर नहीं मिलीं। कार्रवाई औषधि निरीक्षक विनोद जागुड़ी और निधि रतूड़ी की उपस्थिति में हुई।

### ऋषिकेश में बड़ी कार्रवाई – सिरप भंडारण पर रोक

औषधि निरीक्षक निधि रतूड़ी के नेतृत्व में टीम ने ऋषिकेश क्षेत्र, राजकीय एसपीएस चिकित्सालय और जॉलीग्रांट के आसपास मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया। कुछ स्टोर्स में बच्चों की सर्दी-खांसी की दवाइयाँ अलग से रखी मिलीं, जिन्हें तुरंत सील कर बिक्री पर रोक लगाई गई। निरीक्षण के दौरान 6 औषधियों के नमूने गुणवत्ता जांच हेतु लिए गए। निरीक्षक ने बताया कि अधिकांश मेडिकल स्टोर्स ने शासन के आदेशों का पालन करते हुए प्रतिबंधित सिरप की बिक्री पहले ही बंद कर दी है।

### हल्द्वानी, अल्मोड़ा और बागेश्वर में भी अभियान तेज

हल्द्वानी के मुखानी क्षेत्र में सात मेडिकल स्टोर्स की जांच की गई, जहाँ से दो कफ सिरप के नमूने जांच हेतु लिए गए। अल्मोड़ा में एक मेडिकल स्टोर से कफ सिरप का नमूना लिया गया, जबकि बागेश्वर जिले के गरुर क्षेत्र में दो मेडिकल स्टोर्स से बाल चिकित्सा सिरप के दो नमूने संकलित किए गए। सभी विक्रेताओं को शासन के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

### स्वास्थ्य सचिव की सख्त चेतावनी

स्वास्थ्य सचिव एवं आयुक्त (FDA) डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि बच्चों की सेहत से खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह अभियान केवल मेडिकल स्टोर्स और डिपो तक सीमित नहीं है, बल्कि फार्मा कंपनियों और बाल चिकित्सालयों तक विस्तारित किया गया है। डॉ. राजेश कुमार ने कहा, ÷प्रत्येक जिले की टीम से प्रतिदिन रिपोर्ट ली जा रही है, और जहाँ भी लापरवाही मिलेगी, वहाँ लाइसेंस निरस्तीकरण सहित कठोर कार्रवाई की जाएगी।

### स्वास्थ्य मंत्री की अपील – डॉक्टर निभाएँ जिम्मेदारी

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने राज्य के सभी डॉक्टरों से अपील की कि वे बच्चों के लिए दवाइयाँ लिखते समय विशेष सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि दो वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी स्थिति में प्रतिबंधित सिरप न दी जाए। डॉक्टर और फार्मासिस्ट दोनों की यह साझी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों की सेहत को सर्वोपरि रखें।

### अभियान का नेतृत्व

अभियान का नेतृत्व अपर आयुक्त (एफडीए) ताजबर सिंह जग्गी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्यभर में यह अभियान चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा। सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश के नागरिकों, विशेष रूप से बच्चों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण औषधियाँ ही उपलब्ध कराई जाएँ।

## मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के निर्देश: गड्ढा मुक्त हो प्रदेश, समयबद्धता और गुणवत्ता से करें काम

**पथ प्रवाह, देहरादून**

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश की सभी सड़कों को शीघ्र गड्ढा मुक्त किया जाए, ताकि आम जनता को बेहतर और सुरक्षित यातायात सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि सड़कें प्रदेश के विकास की रीढ़ हैं, इसलिए इनके रखरखाव और गुणवत्ता पर किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि अब तक प्रदेश की सड़कों पर 52 प्रतिशत पैचवर्क का कार्य पूर्ण हो चुका है। इस पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने शेष कार्यों को त्वरित गति से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समयबद्धता और गुणवत्ता दोनों पर समान रूप से ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सभी जनपदों के प्रभारी सचिवों को अपने-अपने जिलों का नियमित भ्रमण कर जनता से संवाद स्थापित करने और सरकार की विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने राज्य के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में निर्माण और पुनर्निर्माण कार्यों को प्राथमिकता देने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक आधारभूत संरचनाओं – जैसे सड़कें, पुल और सामुदायिक भवन – का शीघ्र पुनर्निर्माण किया जाए, ताकि स्थानीय जनता को राहत मिल सके। मुख्यमंत्री ने क्षतिग्रस्त पुलों के शीघ्र पुनर्निर्माण और नए पुलों के निर्माण कार्यों में भी तेजी लाने पर बल दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनता को सुरक्षित, सुविधाजनक और बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय और सजगता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है।

## भारत को कृषि उत्पादन में न केवल आत्मनिर्भर बनाना है बल्कि निर्यात क्षमता भी बढ़ानी है:मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत को कृषि उत्पादन में न केवल आत्म निर्भर बनना है बल्कि वैश्विक बाजार के लिए उत्पादन भी करना है।

मोदी ने कहा, हमें आयात कम करना है और निर्यात बढ़ाना है। मोदी ने इस उद्येश्य की प्राप्ति में पीएम धन-धान्य कृषि योजना तथा दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। वह नयी दिल्ली में पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) में आयोजित विशेष कृषि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में उन्होंने कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में 42,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं और योजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण किया।

इनमें 24,000 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और 11,440 करोड़ रुपये का ÷दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन÷ दो प्रमुख कार्यक्रम हैं। पीएम धन धान्य योजना का का उद्देश्य 100 जिलों में कृषि का कायाकल्प करना है। इसी तरह दलहन में आत्मनिर्भरता का मिशन दलहन खेती का रकबा बढ़ा कर और खरीद, प्रसंस्करण और वितरण जैसी मूल्य संवर्धन श्रृंखलाओं को मज़बूत करके पूरा किया जाना है। कार्यक्रम को कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने भी संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कृषि उत्पादन में आत्म निर्भरता और निर्यात बढ़ाने के इन लक्ष्यों की प्राप्ति में पीएम धन-धान्य कृषि योजना तथा दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पीएम धन-धान्य योजना के लिए सौ जिलों का चयन तीन कसौटियों पर किया गया है। इसमें एक कसौटी खेती की पैदावार क्या है, दूसरी एक खेत में एक साल में खेती कितनी बार होती है तथा किसानों को कर्ज या निवेश की सुविधा कैसी है। उन्होंने कहा कि दलहन आत्मनिर्भरता मिशन सिर्फ दलहन उत्पादन बढ़ाने का कार्यक्रम नहीं है बल्कि हमारी भावी पीढ़ी को सशक्त बनाने का अभियान भी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़े इसके लिए पशुपालन, मछली पालन , मधुमक्खी पालन पर बल दिया जा रहा है। इससे छोटे किसानों और भूमिहीन परिवारों को ताकत मिली है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका और महत्वपूर्ण हो रही है जहां गावों में नमो ड्रोन दीदिया खाद और कीटनाशक छिड़काव के आधुनिक तरीकों का नेतृत्व कर रही हैं। मोदी ने कहा, अपने किसान, पशुपालक और मछुआरा भाई-बहनों के कल्याण के लिए हम दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। इसी दिशा में आज दिल्ली से हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास मेरे लिए गर्व का क्षण है। हमने किसानों के हित में...बीज से लेकर बाज़ार तक सुधार किए हैं।÷

प्रधान मंत्री ने पूसा के इसी मंच से देश भर में जगह जगह कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में 5,450 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की परियोजनाओं का उद्घाटन और राष्ट्र लोकार्पण किया। उन्होंने लगभग 815 करोड़ रुपये की अतिरिक्त परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी।

आज शुरू की गयी परियोजनाओं में बेंगलुरु और जम्मू-कश्मीर में कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण केंद्र, अमरेली और बनास में उत्कृष्टता केंद्र, राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत असम में आईवीएफ लैब की स्थापना शामिल हैं। इनके अलावा मेहसाणा, इंदौर और भीलवाड़ा में दूध पाउडर संयंत्र, तेजपुर (असम) में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत मछली चारा संयंत्र के साथ-साथ कृषि प्रसंस्करण क्लस्टरों के लिए बुनियादी ढांचा, एकीकृत कोल्ड चेन और मूल्यवर्धन अवसंरचना आदि शामिल हैं।

उन्होंने आंध्र प्रदेश के कृष्णा में एकीकृत कोल्ड चेन और मूल्यवर्धन अवसंरचना (विकिरण), उत्तराखंड में ट्राउट मत्स्य पालन, नागालैंड में एकीकृत एक्वा पार्क का सांकेतिक रूप से शिलान्यास भी किया। इनके अलावा कराईकल, पुडुचेरी में स्मार्ट और एकीकृत मत्स्य पालन बंदरगाह और ओडिशा के हीराकुंड में अत्याधुनिक एकीकृत एक्वापार्क जैसी कई परियोजनाओं का भी शिलान्यास किया गया।

# मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने 326 मेधावी बालिकाओं को स्मार्टफोन की सौगात

## अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर मुख्यमंत्री बोले नारी शक्ति ही समाज की असली ताकत

**पथ प्रवाह, देहरादून**

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित बालिका शिक्षा प्रोत्साहन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने राज्यभर की 326 मेधावी बालिकाओं को स्मार्टफोन प्रदान किए।

कार्यक्रम में जनपद स्तर पर हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं की प्रथम तीन टॉपर बालिकाओं तथा विकासखण्ड स्तर पर टॉपर बालिकाओं को भी मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सभी को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस वर्ष भी प्रदेश की बेटियों ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से असाधारण सफलता अर्जित की है। उन्होंने बताया कि हाईस्कूल परीक्षा में कुल 90 प्रतिशत विद्यार्थी सफल रहे, जिनमें बालिकाओं की सफलता दर 93 प्रतिशत से अधिक रही। वहीं इंटरमीडिएट परीक्षा में 83 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए, जिनमें बालिकाओं का सफलता प्रतिशत 86 प्रतिशत से अधिक रहा। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि समाज की तरक्की नारी शक्ति से होती है। यदि किसी राज्य की महिलाएँ प्रगति कर रही हैं, तो उस राज्य के विकास को कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि बेटियों के शिक्षित होने से आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी उज्जवल होता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से राज्य सरकार ने महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण दिया है। साथ ही मुख्यमंत्री नारी सशक्तिकरण योजना, मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना और नंदा गौरा योजना जैसी कई जनहितकारी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से राज्य की बेटियाँ सरकारी सेवाओं में चयनित होकर आत्मनिर्भर बन रही हैं तथा स्वयं सहायता समूहों, स्टार्टअप्स और लघु उद्योगों के जरिये आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नारी सशक्तिकरण की दिशा में अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, बालिका समृद्धि योजना, उज्ज्वला योजना, लखपति दीदी योजना और नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसी पहलें महिला सम्मान और सशक्तिकरण की मिसाल हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी महिला छात्रावास निर्माण, मुफ्त साइकिल योजना और बालिका शिक्षा प्रोत्साहन कार्यक्रम जैसी योजनाओं के माध्यम से बालिकाओं को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश की अनेक बेटियाँ सरकारी सेवा में जाने का सपना देख रही हैं, और उनके इस सपने को साकार करने के लिए राज्य में देश का सबसे कठोर नकल-विरोधी कानून लागू किया गया है। इसका परिणाम है कि पिछले चार वर्षों में 25 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी प्राप्त हुई है।

# एक नजर

## शांतरशाह पुलिस चौकी प्रभारी ने लगायी जागरूकता चौपाल

पथ प्रवाह हरिद्वार। ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025 को सफल बनाने के लिए चौकी शान्तरशाह में हुई चौपाल में ग्रामीणों को नशा मुक्त शहर - नशा मुक्त गांव अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी देकर जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री उत्तराखंड द्वारा आरंभ ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025 एवं जिंदगी को हां, नशे को ना अभियान की भावना के अनुरूप उपस्थित ग्रामीणों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर हरिद्वार पुलिस द्वारा ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बताया गया कि नशे के कारोबार या उसके सहयोग को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति नशा तस्करों की सहायता करता हुआ पाया गया, तो उसके विरुद्ध भी उसी प्रकार की कार्रवाई की जाएगी जैसी नशा तस्करों के विरुद्ध की जाती है।

## जिलाधिकारी के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई, स्टोन क्रेशर संचालक के खिलाफ मुकदमा

पथ प्रवाह हरिद्वार। सरकार को राजस्व की हानि पहुँचाने वालों के विरुद्ध जिलाधिकारी मयूर दीक्षित सख्ती से कार्यवाही कर रहे हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने विभिन्न माध्यम से प्राप्त सूचना का तत्काल संज्ञान लेते हुए जिला खान अधिकारी काज़िम रज़ा को विभागीय दल के साथ छापेमारी के निर्देश दिए। जिला खान अधिकारी काज़िम रज़ा के नेतृत्व में टीम द्वारा ग्राम बाड़ीटीप स्थिप स्टोन क्रेशरों पर अचानक छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पाया गया कि मैसर्स अवनि स्टोन क्रेशर को 6 अक्टूबर को सीज किया गया था। इस स्टोन क्रेशर अर्थात अवनि स्टोन क्रेशर के संचालक द्वारा सील को तोड़कर क्रेशर संचालित किया जाने व अवैध खनिज को लिए जाने के कारण क्रेशर के संचालक एवम् मालिक के विरुद्ध कोतवाली लक्सर के एफआईआर दर्ज कराते हुए क्रेशर को पुनः सील किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि अवैध खनन एवम् भंडारण के विरुद्ध चल रही कार्यवाही जारी रहेगी और सरकार को राजस्व हानि पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्यवाही की जाएगी।

# मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रदद की यूकेएसएसएससी परीक्षा, तीन माह में दोबारा परीक्षा

## सरकार ने परीक्षाओं की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखने में प्रतिबद्धता जताई, सीबीआई जांच की संस्तुति भी की गई

**पथ प्रवाह, देहरादून**

उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 21 सितंबर 2025 को आयोजित प्रतियोगी परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच हेतु राज्य सरकार द्वारा गठित एकल सदस्यीय जांच आयोग ने आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर अपनी अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस रिपोर्ट के चंद घंटों बाद ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने परीक्षा को निरस्त कर दिया और तीन माह में दोबारा परीक्षा कराने का आश्वासन दे दिया।

न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) यू.सी. ध्यानी की जांच रिपोर्ट के बाद सरकार ने त्वरित निर्णय कर छात्रों का भरोसा जीतने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि आयोग ने अल्प समय में अधिक से अधिक जनसुनवाई कर अभ्यर्थियों एवं संबंधित पक्षों से सुझाव प्राप्त किए और रिपोर्ट तैयार की, जो अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस रिपोर्ट का परीक्षण कर अभ्यर्थियों के हित में निर्णय लेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि मामले की पूरी निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए आयोग ने सीबीआई जांच की संस्तुति भी की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार परीक्षाओं की शुचिता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि भविष्य में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी भर्ती परीक्षा में अनियमितताओं की कोई संभावना न रहे और अभ्यर्थियों तथा उनके अभिभावकों का राज्य की परीक्षा प्रणाली पर विश्वास लगातार बना रहे।

इस अवसर पर आयोग ने परीक्षा प्रक्रिया में पाए गए प्रारंभिक निष्कर्ष और सुझाव मुख्यमंत्री को प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से अंतरिम रिपोर्ट की अनुशंसाओं पर विचार किया गया।

जिसके बाद परीक्षा को निरस्त करने का आदेश शासन ने जारी कर दिया।

# घर से लाखों के जेवर और नकदी चोरी कर फरार हुई नौकरी गिरफ्तार

**पथ प्रवाह संवाददाता।**

हरिद्वार। मां की बीमारी के लिए घर में रखें लाखों के जेवरात और नकदी चोरी कर फरार हुई नौकरानी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी नौकरानी के पास से पुलिस ने चोरी किया सामान भी बरामद कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक मनीष चौहान निवासी मोहल्ला चौहानान, कोतवाली ज्वालापुर, हरिद्वार ने पुलिस को तहरीर देकर घर में कार्यरत नौकरानी शशि देवी उर्फ छोटी द्वारा बीती अक्टूबर को घर में रखी नगदी करीब 8 लाख 30 हजार रुपये और 4 जोड़ी बिछुए, 1 जोड़ी पाजेब, 1 अंगूठी (सोने की) चोरी कर लिए जाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस ने कई टीमों का गठन किया। टीमों द्वारा घटनास्थल एवं आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। स्थानीय लोगों से गहन पूछताछ की गई। जांच के दौरान पीड़ित के घर में कार्यरत नौकरानी जो जगजीतपुर में राजा गार्डन कालोनी के पास रहती थी, उसकी गतिविधि संदिग्ध पायी गई। पुलिस टीम द्वारा नौकरानी के कमरे पर दबिश दी गई। वहां नौकरानी से पूछताछ करने पर उसने चोरी किये जाने की बात स्वीकार कर ली। बताया कि उसने मनीष के पिता को अलमारी में पैसा रखते देखा था और उसी अवसर का लाभ उठाकर चोरी की। कमरे की तलाशी लेने पर 2,77,000/- नगद बरामद हुए। शेष राशि के बारे में पूछताछ करने पर नौकरानी ने बताया कि बाकी रकम उसने घर के बाहर गली में रेत के नीचे छिपा रखी है। उनकी निशानदेही पर पुलिस टीम ने वहां से 3,47,000/- नगद, 4 जोड़ी बिछुए (सफेद धातु), 1 जोड़ी पाजेब (सफेद धातु) एवं 1 अंगूठी (पीली धातु) बरामद की।

# पंतजलि गुरुकुलम् भारत की कालजयी, मृत्युंजयी संस्कृति, आर्ष परंपरा और वैदिक संवेदनाओं के संरक्षण-संवर्धन की अद्भुत प्रयोगशाला: जूनापीठाधीश्वर

पथ प्रवाह संवाददाता।

हरिद्वार। भारतीय शिक्षा बोर्ड के अंतर्गत संचालित पतंजलि गुरुकुलम् का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव ने कहा कि हमारे प्राचीन गुरुकुलों की गुरु-शिष्य परंपरा में ज्ञान के साथ-साथ नैतिकता, चरित्र की शुद्धता, वाणी-व्यवहार में मृदुता तथा आचरण सिखाया जाता था। प्राचीन गुरुकुलों से शिक्षित होकर विद्यार्थी विश्व का नेतृत्व करते थे। पतंजलि गुरुकुलम् भी प्राचीन ऋषि परंपरा का अनुसरण कर विद्यार्थियों को विश्व नेतृत्व के लिए तैयार कर रहा है।

स्वामी रामदेव ने बताया कि पतंजलि गुरुकुलम् में तीन से पाँच साल के बच्चों से लेकर 12वीं कक्षा तक देश के लगभग सभी प्रांतों के बच्चे अध्ययनरत हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद, भगवान वस्वन्ना, संत मणिबाड़ेश्वर, संत ज्ञानेश्वर, संत रविदास, संत कबीरदास आदि सभी पूर्वज ऋषि-ऋषिकाओं ने समाज में व्याप्त कुरीतियों, बंधनों, भेदभाव की सारी दीवारों को तोड़कर एकत्व, सहअस्तित्व, सामंजस्य का संदेश दिया।

उन्होंने हमें बताया कि सम्पूर्ण सृष्टि में एक ही ब्रह्म, एक ही परमात्मा का सर्वत्र वास है। इन तत्वों व दिव्य संदेशों तथा सनातन के शाश्वत सत्यों को पूरी मानवता के लिए पूर्ण प्रामाणिकता के साथ समाज में संप्रेषित किया। हमें बताया कि वेद में कोई भेद नहीं है। स्वामी जी ने कहा कि पतंजलि गुरुकुलम् के आचार्यगण विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में अहम भूमिका निभा रहे हैं जिससे उनका जीवन का उत्कर्ष प्राप्त कर रहा है।

कार्यक्रम में जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज ने कहा कि पतंजलि गुरुकुलम् भारत की कालजयी, मृत्युंजयी संस्कृति, आर्ष परंपरा और वैदिक संवेदनाओं के संरक्षण-संवर्धन की अद्भुत प्रयोगशाला है। पतंजलि गुरुकुलम् के विद्यार्थियों में मानवीय चेतना का उन्नत स्वरूप जागृत हो रहा है। पतंजलि गुरुकुलम् का यह दीप स्वामी रामदेव जी ने प्रकाशित किया है जो पूरे विश्व को प्रकाशित करेगा।

आचार्य बालकृष्ण जी ने कहा कि पतंजलि गुरुकुलम् से भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं व मान्यताओं को बल मिला है। पतंजलि में बच्चे न केवल ज्ञानार्जन कर रहे हैं अपितु संस्कारित भी हो रहे हैं। उनके अभिभावकों ने जिन संस्कारों के लिए अपने बच्चों को पतंजलि भेजा है, वे भी आज गौरवान्वित अनुभव कर रहे होंगे। उनके स्वप्न उनके बच्चे पतंजलि के माध्यम से साकार कर रहे हैं। परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद मुनि ने कहा कि पतंजलि गुरुकुलम् के बच्चों को देखकर जो मैंने अनुभव किया, भावी पीढ़ियों में इन्हीं शाश्वत सत्यों को उद्घाटित करने की आवश्यकता है। देश का दुर्भाग्य है कि जो छपना चाहिए था वह छिपाया गया और जो था ही नहीं वह दिखाया जाता रहा। देश के वास्तविक इतिहास के मूल में सनातन ही है। आज का समय भारत को भारत की आँखों से देखने का है और पतंजलि गुरुकुलम् इसमें अहम भूमिका निभा रहा है। महामण्डलेश्वर हरिचेतना नंद जी महाराज ने कहा कि इस धराधाम पर अधुनातन काल से संतों की जो लब्ध प्रतिष्ठित श्रृंखला चली आ रही है, स्वामी रामदेव जी महाराज उस श्रृंखला की अहम कड़ी हैं। पतंजलि गुरुकुलम् से स्वामी रामदेव जी ने सनातन का संदेश पूरी दुनिया को दिया है।

कार्यक्रम में शैक्षणिक, क्रीड़ा तथा शास्त्र प्रतियोगिताओं में पतंजलि गुरुकुलम् के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम में पतंजलि गुरुकुल ज्वालापुर, पतंजलि कन्या गुरुकुलम् देवप्रयाग, पतंजलि गुरुकुलम् हरिद्वार के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य तथा नाट्य प्रस्तुतियाँ दीं जिससे उपस्थित अतिथिगण अभीभूत थे।

पतंजलि गुरुकुलम् के अष्टम वार्षिकोत्सव में साध्वी भगवती जी, भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. एन.पी. सिंह आदि ने आशीर्वाद उद्बोधन से विद्यार्थियों को अभिषिक्त किया। इस अवसर पर माता गुलाब देवी, डॉ. यशदेव शास्त्री, साध्वी आचार्या देवप्रिया, डॉ. ऋतंभरा शास्त्री, बहन अंशुल शर्मा, बहन पारूल शर्मा, साध्वी देवमयी, साध्वी देवसुधा, साध्वी देवाराधना, साध्वी देवश्रुति, साध्वी देवाश्रिता, साध्वी देवांजला, साध्वी देवशक्ति, स्वामी ईशदेव, स्वामी विरक्तदेव आदि उपस्थित रहे।

## एक नजर

### रुड़की में सख्ती से चला नो हेलमेट—नो फ्यूल अभियान

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार। जिलाधिकारी और एसएसपी के निर्देश रुड़की में पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक के पर्यवेक्षण में नो हेलमेट नो फ्यूल अभियान की शुरूआत की गई। इस दौरान दोपहिया वाहन चालकों से कहा गया कि यदि वह बिना हेलमेट के पेट्रोल लेने आएंगे तो उन्हें पेट्रोल नहीं मिलेगा। इस अभियान की शुरूआत एसपी देहात और एआरटीओ ने हरी झंडी दिखाकर की। परिवहन विभाग व यातायात पुलिस विभाग रुड़की द्वारा संयुक्त रूप से हेलमेट के प्रति जागरूकता हेतु नो हेलमेट,नो फ्यूल अभियान प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक प्रारंभ एसपी देहात शेखर चंद सुयाल, एआरटीओ कृष्ण पलड़िया व टीआई संदीप सिंह नेगी द्वारा शिखा पेट्रोल पंप गणेशपुर से किया गया। साथ ही पुलिस उपाधीक्षक यातायात हरिद्वार द्वारा बताया गया कि इस प्रकार का अभियान निरंतर रुड़की व हरिद्वार शहर में आयोजित किए जाएंगे। परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया कि दो-पहिया वाहन चालक हेलमेट पहने के बाद ही ईंधन प्राप्त कर सकेंगे। हेलमेट न पहनने पर पेट्रोल/डीजल/सीएनजी सेवा नहीं दी जायेगी। यह कदम सड़क सुरक्षा बढ़ाने, सिर-मस्तिष्क की चोटों को रोकने और सुरक्षित राइडिंग की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए है।

### सीपीयू ने दो दिन में किये 60 ई रिक्शा चालकों के चालान

पथ प्रवाह हरिद्वार। त्योहारी सीजन के दृष्टिगत आमजन की सुरक्षा तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से यातायात पुलिस रुड़की एवं सीपीयू टीम रुड़की द्वारा संयुक्त रूप से विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के तहत शुक्रवार व शनिवार को रुड़की शहर के विभिन्न स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाकर बिना दस्तावेज़ों के एवं यातायात नियमों के विरुद्ध संचालित 60 ई-रिक्शा चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई तथा 17 ई-रिक्शा सीज़ किए गए। त्योहारों के दौरान सड़कों पर बढ़ते ट्रैफिक और दुर्घटनाओं की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस द्वारा नियम उल्लंघन करने वालों पर सतत सख्त कार्यवाही की जा रही है। हरिद्वार पुलिस ने अपील की है कि यातायात नियमों का पालन करें, वाहन के समस्त आवश्यक दस्तावेज साथ रखें तथा सड़क सुरक्षा में सहयोग करें।

# गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में एनसीसी कैडेट्स ने सीखे बाढ़ से बचाव के टिप्स

पथ प्रवाह संवाददाता।

हरिद्वार। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा संचालित युवा आपदा मित्र परियोजना के अंतर्गत गुरुकुल कांगड़ी में एनसीसी कैडेट्स को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में दूसरे दिन कैडेट्स को बाढ़ से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। बाढ़ के दौरान किस प्रकार राहत और बचाव कार्य संचालित किए जा सकते हैं, इसके तकनीकी पहलुओं से रूबरू कराया गया। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार में आयोजित शिविर के दूसरे दिन के दूसरे सत्र में एनडीआरएफ के इंस्पेक्टर दीपक द्वारा कैडेट्स को बाढ़ से संबंधित खतरों, उनसे बचाव के तरीकों, और आपात स्थिति में किए जाने वाले प्राथमिक उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने आकस्मिक स्थिति में स्थानीय संसाधनों जैसे प्लास्टिक की बोतलें, बांस, रस्सी आदि की मदद से तैरने वाले उपकरण (इम्प्रोवाइज्ड फ्लोटेशन डिवाइसेज़) बनाने का तरीका बताया, जिससे सीमित संसाधनों में भी लोगों की जान बचाई जा सकती है। एनडीआरएफ टीम द्वारा इन उपकरणों का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया, जिससे कैडेट्स को रेस्क्यू तकनीकों को प्रत्यक्ष रूप से देखने और सीखने का अवसर मिला।

### राफ्ट और लाइफ जैकेट बनानी सीखी

इस दौरान कैडेट्स ने केरोसिन टिन राफ्ट, चारपाई राफ्ट, बांस से बनी राफ्ट, बैरल राफ्ट, केले के वृक्ष से बनी राफ्ट, ट्यूब राफ्ट, पानी की बोतल से बनी राफ्ट व लाइफ जैकेट, थर्मोकोल से बनी लाइफ जैकेट बनाने की विधि को सीखा। इसके साथ ही पानी में डूब रहे व्यक्ति को किस प्रकार बचाया जा सकता है, इसके बारे में भी कैडेट्स को बताया गया। कैडेट्स ने रीच विधि, थ्रो विधि, वेड विधि, वेट रेस्क्यू, कांटेक्ट टो रेस्क्यू आदि तकनीक को भी सीखा।

### मूल अवधारणाओं से अवगत कराया

प्रशिक्षण के पहले सत्र में मास्टर ट्रेनर मनोज कंडियाल द्वारा कैडेट्स को आपदा प्रबंधन की मूल अवधारणाओं से अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि आपदा केवल एक घटना नहीं होती, बल्कि इसके सामाजिक, आर्थिक व मानसिक प्रभाव होते हैं। इस दौरान आपदाओं के प्रकार, उनकी गंभीरता, युवाओं की भूमिका और आपदा की स्थिति में किए जाने वाले त्वरित उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। बता दें कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सजग, सक्षम और उत्तरदायी नागरिक के रूप में तैयार करना है, ताकि वे आपदा की स्थिति में स्वयं की और दूसरों की रक्षा कर सकें तथा अपने समुदाय में जन-जागरूकता फैलाकर आपदा जोखिम को कम करने में योगदान दे सकें।

# साइबर सेल ने गुरुकुल कांगड़ी में चलाया जागरूकता अभियान

पथ प्रवाह संवाददाता

हरिद्वार। साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए पूरे जनपद में सभी थानाध्यक्ष और थाना प्रभारी जागरूकता अभियान चला रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को साइबर क्राइम सेल हरिद्वार द्वारा गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में 31 यूके बटालियन एनसीसी हरिद्वार के करीब 300 अधिकारीगण एवं कैडेट्स सम्मिलित हुए। टीम द्वारा प्रतिभागियों को वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रकारों, उनके नए तरीकों तथा साइबर ठगी से बचाव के उपायों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। उपस्थित सभी कैडेट्स को जागरूकता संबंधी पंपलेट्स वितरित किए गए। किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा www.cybercrime.gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया गया।

कहा कि साइबर अपराधों से सतर्क रहें, अजनबियों द्वारा भेजे गए लिंक या कॉल पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। आपकी सजगता ही आपकी सुरक्षा है।

# संपादकीय

## एक पेड़ माँ के नाम — स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का जनआंदोलन

स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बदलते मौसम, बढ़ते प्रदूषण और घटते हरित क्षेत्र ने मानव जीवन के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। ऐसे समय में जब प्रकृति संतुलन बिगड़ने की कगार पर है, उत्तराखंड में शुरू किया गया ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान आशा की नई किरण लेकर आया है।

यह अभियान न केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम है, बल्कि यह मातृत्व, संवेदना और जिम्मेदारी का प्रतीक बन चुका है। ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ का भाव ही इस बात को रेखांकित करता है कि पर्यावरण की रक्षा केवल सरकारी या सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि व्यक्तिगत श्रद्धा और संस्कार का विषय है। जब कोई व्यक्ति अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ लगाता है, तो वह उस पेड़ में जीवन, प्रेम और संरक्षण की भावना का विस्तार करता है।

केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) द्वारा नैनीताल, पिथौरागढ़, बागेश्वर सहित समूचे राज्य में चलाए जा रहे इस अभियान ने जनभागीदारी की नई मिसाल पेश की है। विद्यालयों में आयोजित प्रतियोगिताओं, गोष्ठियों और वृक्षारोपण कार्यक्रमों ने न केवल बच्चों में पर्यावरण के प्रति चेतना जगाई, बल्कि उन्हें अपने परिवेश के प्रति उत्तरदायी नागरिक बनने की प्रेरणा भी दी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से लेकर सभी सांसद, विधायक और जनप्रतिनिधि इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। सरकारी विभागों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की सहभागिता से यह आंदोलन एक व्यापक जनअभियान का रूप ले चुका है।

उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य के लिए यह पहल और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां की पारिस्थितिकी नाजुक और संवेदनशील है। हर पेड़, हर हरियाली का यहां के जल स्रोतों, मिट्टी और वायु से गहरा संबंध है। ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ के माध्यम से जो वृक्ष लगाए जा रहे हैं, वे आने वाले वर्षों में इस प्रदेश के जलवायु संतुलन और हरियाली के रक्षक बनेंगे।

यह केवल पर्यावरणीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि संवेदनशील समाज की ओर बढ़ता कदम है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वच्छता और हरियाली एक-दूसरे के पूरक हैं। जब धरती हरी होगी, तभी जीवन स्वस्थ और सुरक्षित रहेगा।

आज जरूरत है कि हर नागरिक इस अभियान से जुड़े – अपने गाँव, अपने शहर और अपने घर में एक पेड़ माँ के नाम अवश्य लगाए। यही हमारी मातृभूमि और प्रकृति माँ के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

# समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया

**प्रकाश गवान्दे**

भारत में समाजवादी विचारधारा को एक आन्दोलन का स्वरूप प्रदान करने तथा उसे प्रभावी रीति से प्रचारित करने वाले चितकों में डॉ राममनोहर लोहिया का नाम प्रमुख रूप से लिया जाता है। वे एक गांधीवादी चिन्तक राजनीतिक इतिहासकार, अर्थशास्त्री दार्शनिक तथा विख्यात लेखक थे। जीवन के प्रायः सभी पक्षों पर उन्होने गहन चिन्तन किया तथा भारतीय परिस्थितियों में इसे व्यावहारिक बनाने के उपायों का सफलतापूर्वक आजीवन अन्वेषण किया। डॉ लोहिया गांधीवादी थे लेकिन उनके विचारों में उग्रता थी। वे क्रान्तिकारी थे लेकिन उनके विचारों में असाधारण रचनात्मकता थी। वे एक विख्यात एवं सक्रिय राजनीतज्ञ थे, किन्तु उनकी शैली एवं कार्यों में सिद्धान्तों के प्रति असाधारण लगाव था। उन्होने समाजवाद के महान उददेश्यों की भारतीय संदर्भों में व्याख्या की तथा उसे व्यावहारिक बनाया।

डॉ. राममनोहर लोहिया का जन्म 23 मार्च 1910 को उत्तर प्रदेश के अयोध्या जनपद में (वर्तमान-अम्बेडकर नगर जनपद) अकबरपुर नामक स्थान में हुआ था। उनके पिताजी गाँधीजी के अनुयायी थे। जब वे गांधीजी से मिलने जाते तो राम मनोहर को भी अपने साथ ले जाया करते थे। इसके कारण गांधीजी के विराट व्यक्तित्व का उन पर गहरा असर हुआ। पिताजी के साथ 1918 में अहमदाबाद कांग्रेस अधिवेशन में पहली बार शामिल हुए।

### डॉ. लोहिया के सामाजिक एवं राजनीतिक विचार

डॉ. लोहिया के विचारों पर कार्ल मार्क्स एवं महात्मा गाँधी दोनों के विचारों का असाधारण प्रभाव परिलक्षित होता है। उन्होने इनमें अवभुत समन्वय स्थापित किया तथा इनके श्रेष्ठतम तत्यों को समाहित करते हुए नवीन विचारों का विकास किया।

जाति और वर्षो में संघर्ष की मारणा

डॉ लोहिया के अनुसार इतिहास में जाति और वर्गों में संघर्ष होता रहता है। इसी से इतिहास को गति मिलती है। जातियों का रूप सुनिश्चित होता है किन्तु वर्गों की आन्तरिक रचना शिथिल होती हैं। इन दोनों के बीच घड़ी के पेन्डुलम के समान आन्तरिक क्रियाएं होती रहती है। इन्ही से इतिहास को गति मिलती है। डॉ. लोहिया के अनुसार जातियों में सामान्यतः गतिहीनता और निष्क्रियता पाई जाती है। जब कि वर्ग सामाजिक गतिशीलता की प्रचण्ड शक्तियों के प्रतिनिधि होते हैं। वर्ग संगठित होकर जातियों का रूप धारण कर लेते है। और जातियों वर्गों में परिणत हो जाती है। मानव जाति का अब तक का इतिहास जातियों ओर वर्गों के बीच आंतरिक संघर्षो का इतिहास है।

डॉ. लोहिया का विचार था कि एशियाई राष्ट्रों की अपनी विशिष्ट समस्याएँ है. इन्हें एशियाई तरीकों से ही हल किया जाना चाहियें। उनका कथन था किष् एशिया में जहाँ आर्थिक समस्याएँ मुह बाये खड़ी हैं पश्चिमी ढंग का समाजवादी प्रजातंत्र कवापि उपयोगी नहीं हो सकता। एशिया के लोग रोटी के लिए अपने प्रजातान्त्रिक अधिकारों को बेचने के लिए सरलता ये तैयार हो जायेगें। परम्परागत तरीके से सोचने पर रोटी की समस्या के समाधान हेतु हमें पूंजीवादी अथवा साम्यवादी अर्थव्यवस्था की स्थापना ही अनिवार्य दिखाई देने लगती है किन्तु वोनों की अर्थव्यवस्था एक जैसी ही है। दोनों में अंतर केवल इतना है कि पूंजीवाद यदि निजी सम्पति को प्रोत्साहन देता है तो साम्यवाद सार्वजनिक सम्पति को। पूंजी एवं सत्ता का केन्द्रीकरण दोनों में समान रूप से है। आर्थिक विक्रेन्दीकरण अन्ततः बेकारी को बढ़ा देता है।

डॉ. लोहिया मानते थे कि युरोप का मशीनी समाजवाद एशिया के देशों के लिए उपयुक्त नहीं हैं, क्योकि यहाँ गरीबी अधिक है। उनका कथन था कि परम्परागत आर्थिक विकेन्द्रीकरण से एशिया की गरीबी दूर नहीं हो सकती है। यहाँ बड़ी मशीनों के स्थान पर गांधी जी के विचारों का अनुसरण करते हुए छोटी-छोटी मशीनों का प्रयोग करना चाहिये। इस प्रकार कुटीर उद्योगों में धन भी कम लगेगा तथा बेकारी भी घटेगी। डॉ लोहिया सहकारी कृषि को प्रोत्साहित करने के पक्ष में थे। वे पाश्चात्य समाजवाद को संवैधानिक एवं विकासवादी निरूपित करतें हुए उसे एशिया के लिए अनुपयोगी मानते थे। उनके अनुसार प्रशासन का प्रजातंत्रीकरण करके कम पूंजी से लगने वाली छोटी मशीनों को लगाकर, सम्पति का समाजीकरण करके एवं आर्थिक तथा राजनीतिक समाजीकरण करके एशियाई समाजवाद के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। डॉ. लोहिया कार्ल मार्क्स के विचारों से सहमत थे किन्तु वे साम्यवादियों से सहमत नहीं थे। वे साम्यवादियों के भूमि के पुनर्विभाजन को एक मजाक तथा निरर्थक क्रूरता मानतें थे। वे इसलिए भी साम्यवादियों से सहमत नहीं हो पाते थे क्योकि व्यवहार में साम्यवादी आर्थिक दरिद्रता को अस्त्र बनाकर राज्य के विरूद्ध विद्रोह करा देते है, अथवा उस पर अनुचित दबाव डालतें है। साम्यवादियों की पूँजीवाद की व्याख्या उन्हें स्वीकार्य न थी। वे वर्ग संघर्ष की साम्यवादी पद्धति को भी अनैतिक मानते थे।

धर्म एवं राजनीति के समन्वय पर बल

डॉ. लोहिया कहा करते थे कि राजनीति के बिना धर्म निष्प्राण हो जाता है तथा धर्म के बिना राजनीति कलही बन जाती है। वे धर्म को दीर्घकालीन राजनीति तथा राजनीति को अल्पकालीन धर्म कहते थे।

### सप्त क्रांति का सिद्धांत

डॉ. लोहिया अनुभव करते थे कि किसी एक जुट कार्यक्रम के अभाव में भारत में प्रतिपक्षी दल आपस में लड़ते रहते है। इसका लाभ सत्तारूढ़ दल को अनायास ही प्राप्त हो जाता है। उन्होने समाजवाद के सार्वभौम सात सिद्धांतों को व्यवहारिक रूप देने की बात कही थी।

# अन्नदाता

**वीके माहेश्वरी**

बाल्यकाल से यही पढ़ाया गया है, सिखाया गया है, सुनाया गया है कि, भारत एक कृषि प्रधान राष्ट्र है। भारत के सत्तर प्रतिशत नागरिक खेती करते हैं। किसान ही सबका अन्नदाता है। बचपन में महाकवि घाघ जो कि आकाश का रंग, हवा की दिशा एवं पक्षियों की आवाज से मौसम का सटीक पूर्वानुमान लगा लेते थे और दोहों में प्रकट करते थे। जिससे किसानों को बहुत लाभ होता था, खेती की बहुत सी तकनीक भी उन्होंने छोटे-छोटे दोहों के माध्यम से बताई थी, जो किसानों में बहुत प्रचलित थी। उनका एक दोहा भी सुना एवं पाठ्य पुस्तकों में पढ़ा भी था।

### उत्तम खेती मध्यम बाण निषिद्ध चाकरी भीख निदान

अर्थात् खेती ही उत्तम है दूसरे स्थान पर वाणिज्य तथा तीसरे स्थान पर चाकरी अर्थात् नौकरी आती है। परन्तु नौकरी को उन्होंने निषिद्ध बताया था। मेरे पूर्वज भी किसान थे मेरे परिवार में लगभग छः पीढ़ियों से खेती होती थी। मैने बचपन में अपने पिताजी को खेती करते देखा था। मैंने बचपन में स्वयं भी खेती में पिता जी का सहयोग किया था अतः खेती का मन- मस्तिष्क पर इतना प्रबल प्रभाव था जो अभी भी है, कि बस खेती करने का ही मन करता है। परन्तु मैं जीवन भर तो खेती-किसानी नहीं कर पाया, क्योंकि एक छोटे से काल के लिये मेरा राजकीय सेवा में चयन हो गया था। मुझमें तो उस राजकीय सेवा की योग्यता नहीं थी, ऐसा लगता है कि किसी गलती या मात्र भाग्यवश ऐसा हुआ होगा। राजकीय सेवा में रहते हुए भी खेती से मेरा नाता टूटा नहीं था। परिवार जन खेती ही करते थे, मैं तो नहीं कर पाता था। परन्तु लगाव निरंतर बना रहा। राजकीय सेवा में होने के कारण मेरी माता मुझे अकसर कहती थी अपने हिस्से की कृषि भूमि बेच दे, अब तू क्या खेती करेगा, परन्तु खेती से एवं धरती माँ से इतना स्नेह था कि मैंने कृषि भूमि कभी बेचने की कल्पना भी नहीं की। सोने पर सुहागा यह था कि ससुराल भी ऐसा मिला था जहाँ पर खेती होती थी। अतः राजकीय सेवा से निवृत होते ही मैंने गाँव की ओर प्रस्थान किया तथा खेती के सभी उपकरण जुटाये, एक सहायक भी रखा और खेती करने लगा। खेती करने के साथ गांव के अपने पुराने साथियों से भी मिलना-जुलना आरंभ हो गया जिनका साथ छूट-सा गया था। जो जीवन भर खेती करते रहे थे। वे मुझे खेती के बारे मे परामर्श देते रहते थे। उनका परामर्श भी मेरे लिये अत्यंत सहायक एवं उपयोगी रहता था। वे सब कहते थे कि भईया, गेहूँ, गन्ना, धान, मक्का, सरसों इत्यादि की खेती करने से कोई बचत नहीं होती अपना पेट भी नहीं पाल पाओगे। एक काम करो खेत की मेढ़ के चारों ओर ''युकेलिप्टस'' के पेड़ लगा लो, यह पाँच-छह साल में कटने योग्य हो जाते हैं। इनके कटने पर कोई रोक भी नहीं है। इनकी मण्डी भी पास में अर्थात् हरियाणा राज्य के यमुनानगर में ही है जहाँ पर इनकी लकड़ी अच्छे दामों में बिक जाती है, बस किसान की तो यही बचत है, और खेती करने पर मुझे उनकी बात सत्य प्रतीत हुई। मैंने भी खेतों की मेढ़ पर युकेलिप्टस के पौधों की रोपाई करदी एवं खेतों में गेहूँ और धान इत्यादि की फसल उगाने लगा। 5-6 वर्षों तक, मैंने गेहूँ, गन्ना, धान, इत्यादि की खेती की परन्तु जो फसल उगती थी उसका अधिकांश भाग, बीज, खाद, सिंचाई, निराई, गुडाई एवं गहाई में ही व्यय हो जाता था। बस इतना ही बच पाता था कि मैं अपने परिवार के भोजन का प्रबंध कर सकूं। उस फसल से अन्य खर्चे निकालना संभव नहीं हो पा रहा था, परन्तु मैंने हार नहीं मानी, खेती के नवीनतम विधियों से खेती करता रहा खेती करने से मालूम हुआ कि सरकार कृषकों कि बड़ी हितैषी है। अब तो सरकार की ओर से अन्नदाता किसान को भीख भी मिलनी आरंभ हो गयी है क्षमा किजिये, सम्मान राशी भी मिलनी शुरू हो गयी है। तब यह अनुभव हुआ कि हम किसान कहाँ से कहाँ पहुँच गये हैं। जो अन्नदाता था उसे स्वयं को सहायता की आवश्यकता होने लगी है। सम्मान राशी ही नहीं, खेती करते समय यह भी जानकारी में आया कि सरकार ने तो किसानों के सामने कितने ही विभाग खड़े किये हुए हैं, क्षमा करें, सामने नहीं, किसानों के साथ में अनेकों विभाग खड़े किये हुए हैं जो किसान की समस्या का कारण होते हैं, नहीं-नहीं किसान कि हर समस्या का निवारण होते हैं। कोई भी विभाग कभी भी किसान की सहायता के लिये नहीं आता, क्षमा कीजिए हर समय सहायता के लिए उत्सुक एवं तत्पर रहते हैं। यह विभाग है राजस्व विभाग, वन विभाग, पुलिस विभाग, सहकारिता विभाग, विद्युत विभाग, पशु पालन विभाग, पंजीकरण विभाग, कीट नाशक विभाग, पर्यावरण विभाग, परिवहन विभाग, कृषि विभाग, छात्र संघ, खाद्य निगम, मण्डी विभाग पर्यावरण विभाग इत्यादि।

# आजम दरबार में क्यों पहुँचे अखिलेश यादव?

**प्रभुनाथ शुक्ल**

प्रदेश की राजनीति में नए क्षितिज उभर रहे हैं। राज्य विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सत्ता और विपक्ष अपनी-अपनी कमर कसता दिख रहा है। हालांकि अभी चुनाव में वक्त है, लेकिन राजनैतिक दल माहौल बनाना शुरू कर दिया है। भाजपा जहां सत्ता खोना नहीं चाहती वहीं उत्तर प्रदेश का मुख्य विपक्षीय दल समाजवादी पार्टी, पीडीए को साधने में जुटा है। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का बेहतर प्रदर्शन रहा था। इस प्रदर्शन ने भारतीय जनता पार्टी की नींद उड़ा दिया था। समाजवादी पार्टी अगर यही प्रदर्शन दोहराती है तो विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है।

अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी को मजबूत करने के लिए जूटे हैं और सत्ता पक्ष के काम का अक्सर विरोध करते दिखते हैं। आजम खान की जेल से रिहाई के बाद अखिलेश यादव खुद रामपुर जाकर उनसे मिले। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा था कि आजम खान समाजवादी पार्टी से नाराज है और वह बसपा में जा सकते हैं। इन सब अटकलें को देखकर अखिलेश यादव को आखिर आजम खान के दरबार में माथा टेकना पड़ा। आजम खान के सियासी शरण में जाना अखिलेश यादव की मजबूरी है। क्योंकि उत्तर प्रदेश में मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग ही उनका जनाधार है। पिछड़ा वर्ग में भी सभी जातियों को हम शामिल नहीं कर सकते हैं। लेकिन यादव और मुसलमान अखिलेश के साथ खड़े रहते हैं। आजम खान समाजवादी पार्टी के बड़े चेहरे हैं। समाजवादी पार्टी से अगर आजम खान किनारा करते तो अखिलेश यादव की राजनीतिक पकड़ बेहद कमजोर हो जाती। ऐसी स्थिति में मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए आजम शरणम गच्छामि होना पड़ा।

### आजम का प्रभाव पश्चिमी यूपी में मजबूत है। यूपी में

2011 जनगणना के अनुसार, मुसलमानों की कुल आबादी तकरीबन 20 फिसदी है। 2025 अनुमान है कि यह आबादी तकरीबन साढ़े चार करोड़ पहुंच जाएगी। सबसे अहम सवाल उठता है कि क्या मुसलमान आजम खान को अपना नेता मानता है। हालांकि यह कहना पूरी तरह से गलत होगा कि यूपी का मुसलमान आजम के साथ पूरी तरह खड़ा है। मुसलमान में कई नेता है और सबके अपने-अपने समर्थक। सिर्फ आजम खान के इशारे पर मुसलमान नहीं खड़ा होगा।

हालांकि उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुसलमानों की अहमियत को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता है। इसकी वजह है कि प्रदेश के सभी राजनीतिक दल मुसलमान वोट बैंक साधने के लिए उनके साथ खड़े रहते हैं। हालांकि यह भी सच है मुसलमान भारतीय जनता पार्टी को भी पड़े पैमाने वोटिंग करता है। भाजपा साल 2017 के चुनाव में पश्चिम के मुस्लिम बहुल इलाकों में भी हुआ अपना परचम लहरा चुकी है।

उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में तकरीबन 55 से 60 सीटों के आसपास मुसलमान का दबदबा है। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने यहां कल 82 सीटों में 62 पर विजय हासिल किया था। यह चौंकाने वाला आंकड़ा था और राजनीतिक विश्लेषकों को चक्कर में डाल दिया था मुस्लिम सभी सियासी मिथक को तोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़े मिले।

उत्तर प्रदेश की लोकसभा में 80 सीटों में तकरीबन 20 से 22 सीटों पर मुसलमानों का प्रभाव है। इसमें सहारनपुर बिजनौर, मुरादाबाद, अमरोहा, संभल और मुजफ्फरनगर एवं रामपुर जैसे संसदीय इलाके शामिल। यही कारण है कि अखिलेश यादव को आजम खान से मिलने रामपुर हवेली जाना पड़ा। समाजवादी पार्टी से अगर मुस्लिम नाराज होता है तो उसके लिए बड़ी चुनौती होगी। सवाल यह भी है कि वह नाराज होकर भी कहाँ जाएगा। लेकिन पूरा मुसलमान सिर्फ समाजवादी पार्टी के साथ है ऐसा कहना भी मुश्किल है। वह मायावती की बहुजन समाज पार्टी और भाजपा के साथ भी खड़ा मिलता है। चुनाव में यह भी ट्रेंड देखा गया है कि मुसलमान परिस्थितियों को देखते हुए अपनी वोटिंग करता है।

उत्तर प्रदेश में उधर एक और सियासी घटना ने सपा के लिए नई चुनौती का जन्म दिया है। लखनऊ में काशीराम परिनिर्वाण दिवस पर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती की तरफ से आयोजित रैली से समाजवादी पार्टी की नींद उड़ गई है। उधर दलितों का मसीहा बनने की कोशिश कर रहे चंद्रशेखर आजाद रावण भी उलझन में है। क्योंकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी कमजोर स्थिति में नहीं। तकरीबन 10 साल बाद मायावती की राजनीति सक्रियता ने उनके सपने पर पानी डाल दिया है। लखनऊ में उमड़ी दलितों की भीड़ ने साबित कर दिया है कि मायावती में दलित पूरी तरह आस्था रखता है। बसपा कैडर बेस पार्टी है बगैर प्रचार के इतनी भारी भीड़ सब की नींद उड़ा दी है।

मायावती ने जहां भाजपा की जमकर प्रशंसा किया वहीं अखिलेश यादव पर निशान साधा और उनकी सरकार में किए गए कार्यों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दलितों के साथ समाजवादी पार्टी सरकार ने दोगली राजनीति की। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मायावती की सक्रियता ने अखिलेश यादव के पीडीएफ फार्मूले को झटका दिया है। मायावती की कुछ वर्षो की निष्क्रियता से भाजपा केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के बदौलत दलित को अपनी तरफ मोड़ने में कुछ कमयाब दिखीं।

हालांकि जमीनी सच्चाई यही है इस भीड़ से बसपा और दलित भले खुश हों की बसपा तेजी से उभर रहीं है लेकिन सिर्फ दलित वोट से वह राजनीति में वापसी नहीं कर सकती। क्योंकि मौजूदा वक्त गठबंधन का दौर है और भारतीय जनता पार्टी इसमें सबसे सशक्त दिखाई पड़ती है। केंद्र और राज्य में उसकी सत्ता होने से इसका सीधा लाभ मिल रहा है। छोटे दल भाजपा की सत्ता में सहभागी बनकर मलाई काट रहे हैं।

राजनीतिक गलियारों में यह भी माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की पकड़ कमजोर हो रही थी।

# मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने की राज्य की पहली केन्द्रीयकृत वर्चुअल एवं स्मार्ट कक्षा स्टूडियो की शुरुआत

## 840 राजकीय विद्यालयों में हाइब्रिड मोड में संचालित होंगी कक्षाएं, डिजिटल शिक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदम

पथ प्रवाह, ब्यूरो प्रमुख, योगेश शर्मा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को राजीव गांधी नवोदय विद्यालय, ननूरखेड़ा (देहरादून) में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए समग्र शिक्षा उत्तराखण्ड द्वारा विद्यालयी शिक्षा में आईसीटी योजना के अंतर्गत संचालित वर्चुअल एवं स्मार्ट कक्षाओं के केन्द्रीयकृत स्टूडियो का शुभारंभ किया। इस स्टूडियो के माध्यम से अब प्रदेश के 840 राजकीय विद्यालयों में हाइब्रिड मोड में शिक्षा संचालित होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से वर्चुअल माध्यम से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने की यह एक ऐतिहासिक पहल है, जिससे प्रदेश के विद्यार्थियों का भविष्य और अधिक उज्जवल होगा। उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक युग में शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि डिजिटल तकनीक, वर्चुअल प्लेटफॉर्म और स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से शिक्षा अधिक प्रभावी, आकर्षक और सहज बन गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि प्रदेश में 226 विद्यालयों को पीएम श्री विद्यालय के रूप में स्थापित किया गया है, वहीं 500 विद्यालयों में वर्चुअल कक्षाएं पहले से संचालित हैं। उन्होंने कहा कि अब विद्यार्थी 'उत्तराखंड वर्चुअल लर्निंग एप्लीकेशन' के माध्यम से घर बैठे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। इस ऐप से विद्यार्थी स्वयं का मूल्यांकन भी कर सकेंगे और राज्य के साथ-साथ देश के नामी शिक्षकों से सीधे संवाद का अवसर पाएंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार 5-पीएम ई-विद्या चैनल के माध्यम से भी दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों तक ऑनलाइन शिक्षा पहुँचा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य में कक्षा 6 से 12 तक के मेधावी छात्र-छात्राओं को मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के तहत लाभ दिया जा रहा है। साथ ही, प्रत्येक विकासखंड के 10वीं और 12वीं के मेधावी छात्रों को भारत भ्रमण पर भेजा जा रहा है। राज्य के माध्यमिक विद्यालयों में 8 ट्रेडों में व्यावसायिक शिक्षा प्रारंभ की गई है, जिससे अब तक 42 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं। पहली बार 12वीं के व्यावसायिक छात्रों के लिए रोजगार मेलों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से 146 विद्यार्थियों का चयन प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ है। इस पहल की सराहना केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने भी की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है, जहाँ बुनियादी शिक्षा के लिए राज्य पाठ्यचर्या रूपरेखा तैयार की गई है। विद्यालयों में 'बस्तारहित दिवस' (Bagless Day) को शामिल किया गया है। स्थानीय भाषा एवं संस्कृति के संरक्षण हेतु गढ़वाली, कुमाऊँनी और जौनसारी भाषाओं में पुस्तकें तैयार की गई हैं, वहीं थारू, बोक्सा और रवांल्टी भाषाओं में शब्दकोश निर्माण का कार्य भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि 'हमारी विरासत' पुस्तक के माध्यम से कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों को भारत की संस्कृति, परंपरा और महान विभूतियों से परिचित कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू की गई है। इसी नीति के अनुरूप राज्य में आईसीटी योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षण संसाधन और वर्चुअल कक्षाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जिसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सर्वप्रथम लागू किया। इसके तहत वर्ष 2022 में 'बाल वाटिका' की शुरुआत की गई। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सभी सरकारी विद्यालयों में एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें अनिवार्य की गई हैं तथा कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, विधायक उमेश शर्मा 'काऊ', अपर सचिव शिक्षा श्रीमती रंजना राजगुरु, महानिदेशक शिक्षा दीप्ति सिंह, शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी तथा वर्चुअल माध्यम से राज्यभर के विद्यालयों के विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

## एक नजर

### सड़क निर्माण में घटिया सामग्री की शिकायत ग्राम पंचायत विकास अधिकारी निलंबित

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में ज़ीरो टॉलरेंस की नीति को सख्ती से अमल में ला रहा है। इसी क्रम में भ्रष्टाचार के आरोप में जिला पंचायतराज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह द्वारा एक ग्राम पंचायत विकास अधिकारी को निलम्बित किया गया है। जिला पंचायतराज अधिकारी द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि ग्राम पंचायत अकोढा खुर्द विकास खण्ड लक्सर के कश्यप बस्ती में सीसी सडक निर्माण में घटिया सामग्री की शिकायत पर सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी, हरिद्वार को प्रकरण में जाँच के निर्देश दिए गए थे। इस कम में सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी, हरिद्वार द्वारा दिनांक 19 जुलाई, 2025 को ग्राम पंचायत अकोढा खुर्द में मौके पर जा कर शिकायत में उल्लेखित सडक की जाँच की गयी। सहायक जिला पचांयत राज अधिकारी, हरिद्वार ने अपनी जाँच आख्या दिनांक 21 अगस्त, 2025 कार्यालय में प्रस्तुत की गयी, जिसमें बताया गया कि शिकायत में उल्लेखित सडक ग्राम पंचायत अकोढा खुर्द द्वारा राज्य वित्त आयोग के अनुदान की धनराशि से निर्मित की गयी है। शिकायत में उल्लेखित सड़क जयपाल के घर से प्रदीप के घर की ओर सीसी सड़क का निर्माण ग्राम पंचायत अकोढा खुर्द द्वारा कराया गया था। जांच के दौरान सड़क की गुणवत्ता खराब पायी गयी, सड़क के किनारे नाली का निर्माण बिना लेवल के औचित्यहीन रूप से मिला। समित कुमार निवासी अकोढा खुर्द ने शिकायत में बताया कि खराब गुणवत्ता की सड़क पर ग्राम पंचायत विकास अधिकारी शंकरदीप एवं कनिष्ठ अभियन्ता (पं) (आऊटसोर्स) मनोज कुमार द्वारा लीपा-पोती के उद्देश्य से सड़क के ऊपर नयी सीसी मार्ग डाल दी गयी है। जांच में यह शिकायत भी सही पायी गई। इस गम्भीर अनियमितता के दृष्टिगत् शंकरदीप ग्राम पंचायत विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अकोढा खुर्द को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है।

### नाबालिग का शारीरिक शोषण करने वाले दोषी को 10 साल की सजा

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। पिथौरागढ़ पुलिस ने पुलिस अधीक्षक रेखा यादव के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी पिथौरागढ़ गोविन्द बल्लभ जोशी और क्षेत्राधिकारी धारचुला केएस रावत के पर्यवेक्षण में एक और महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। न्यायालय ने नाबालिग से शारीरिक शोषण के मामले में अभियुक्त को कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई। वर्ष 2024 में कोतवाली धारचूला क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा तहरीर दी गई थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि एक व्यक्तिय द्वारा उनकी पुत्री का शारीरिक शोषण किया है। इस तहरीर के आधार पर कोतवाली धारचूला में अभियुक्त राजू पुत्र मुन्नी लाल निवासी ग्राम सदीला, हरदोई उत्तर प्रदेश के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

मामले की विवेचना उपनिरीक्षक मेघा शर्मा द्वारा की गई, जिन्होंने अपनी उत्कृष्ट जांच प्रक्रिया के तहत आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। इसके बाद मामले की प्रभावी पैरवी विशेष लोक अभियोजन पोक्सो प्रेम सिंह भण्डारी ने की। सुनवाई के बाद न्यायालय विशेष सत्र न्यायाधीश शंकर राज ने अभियुक्त राजू उपरोक्त को दोषी करार देते हुए उसे दस वर्ष का कारावास एवं 20 हज़ार रुपये का अर्थदंड लगाया। यदि वह अर्थदंड का भुगतान नहीं करेगा, तो उसे पांच वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

# मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की सौगात, वनकर्मियों को दुर्गम क्षेत्रों में तैनाती पर आवासीय भत्ता

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार ने राज्य के वन कर्मियों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। सरकार ने घोषणा की है कि वन विभाग के अंतर्गत दुर्गम क्षेत्रों में तैनात कर्मियों को अब आवासीय भत्ता प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमारे वनकर्मी प्रदेश की बहुमूल्य वन संपदा और वन्यजीवों की रक्षा के लिए प्रतिकूल परिस्थितियों में भी निरंतर कार्यरत रहते हैं। वे दूरस्थ और दुर्गम चौकियों पर तैनात रहते हुए अपने परिवारों से दूर रहते हैं, जिससे उन्हें आवास और अन्य बुनियादी सुविधाओं की भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सरकार ने उनकी इस कठिनाई को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है कि जहां स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसी सामान्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, वहां तैनात वन कर्मियों को आवासीय भत्ता दिया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि यह निर्णय उन वनकर्मियों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा जो जंगलों की सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। शासन स्तर पर वित्त विभाग की सहमति से ऐसे दुर्गम क्षेत्रों की पहचान की जाएगी, जहां यह सुविधा लागू होगी। वन विभाग के कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और वन मंत्री श्री सुबोध उनियाल का आभार व्यक्त किया है। उनका कहना है कि सरकार के इस निर्णय से उन्हें अपने परिवारों की देखभाल करने में सहूलियत मिलेगी और वे राज्य की वन संपदा की सुरक्षा में और अधिक समर्पण के साथ कार्य कर सकेंगे। इस निर्णय को मुख्यमंत्री पुष्कर धामी सरकार के कर्मचारी हितैषी रुख का एक और उदाहरण माना जा रहा है, जो प्रदेश के कार्मिकों की कार्य परिस्थितियों और जीवन स्तर में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

# उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कल्याण परिषद सुनील सैनी ने की मुख्यमंत्री से भेंट

पथ प्रवाह देहरादून।

पिछड़ा वर्ग कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष सुनील सैनी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट की। इस दौरान पिछड़ा वर्ग समाज के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में चर्चा हुई। कहा कि पिछड़े वर्ग के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पंक्ति के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को मिले इसके लिए हम संकल्पित है।

सुनील सैनी ने बताया सरकार पिछड़े वर्गों के लिए शिक्षा, सरकारी नौकरियों, और आर्थिक विकास पर केंद्रित विभिन्न योजनाएं चला रही है, जिनमें छात्रवृत्ति, छात्रावास, कौशल विकास और ऋण सुविधाएं शामिल हैं। ये कदम आरक्षण के माध्यम से सामाजिक समानता सुनिश्चित करने और उनके समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के लिए उठाए जा रहे हैं। कहा कि धामी सरकार में अहम कानून लागू हुए हैं, जिनमें समान नागरिक संहिता (ष्ट), नया भू-कानून,नकल विरोधी कानून यह ऐतिहासिक है उत्तराखंड राज्य निरंतर विकास की और गतिमान है। अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेटियों के शिक्षित होने से भावी पीढ़ियों का भविष्य भी संवरता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश में नारी शक्ति को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

# कृषि क्षेत्र में नई क्रांति की शुरुआत किसानों को मिलेगा समेकित योजनाओं का लाभ, आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम

## आकांक्षी जिलों के किसानों को मिलेगा नई योजनाओं का लाभ, उत्तराखंड के अल्मोड़ा व चमोली जिले भी शामिल

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, पूसा (नई दिल्ली) में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'पीएम धन-धान्य कृषि योजना' और 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कृषि अवसंरचना कोष, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी देशभर की 1100 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किया।

इस राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण उत्तरकाशी जिले में भी किया गया, जिसमें जिलेभर के किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। शनिवार को जिला प्रेक्षागृह में कृषि विभाग के तत्वावधान में सीधा प्रसारण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान एवं जिलाधिकारी प्रशांत आर्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिले के 100 से अधिक प्रगतिशील किसानों ने भाग लेकर नई कृषि योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम के दौरान कृषि, उद्यान, मत्स्य, रिप, पशुपालन विभागों द्वारा विभागीय स्टॉल स्थापित किए गए, जिनमें किसानों को आधुनिक कृषि उपकरणों, नवीन तकनीकों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। जिला पंचायत अध्यक्ष और जिलाधिकारी ने किसानों को कृषि यंत्र भी वितरित किए।

जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई पीएम धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन किसानों के लिए परिवर्तनकारी पहल है। उन्होंने कहा कि ÷यह योजनाएं न केवल कृषि उत्पादन बढ़ाने में सहायक होंगी, बल्कि किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सशक्त करने हेतु अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा आज जिन योजनाओं का शुभारंभ किया गया है, वे देश के आकांक्षी जिलों में लागू होंगी। उत्तराखंड के अल्मोड़ा और चमोली जिले भी इसमें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यह योजनाएं भारत सरकार की 36 अन्य कृषि योजनाओं के साथ समेकित रूप में लागू की जाएंगी ताकि किसानों को एक ही प्लेटफॉर्म पर सभी योजनाओं का समग्र लाभ मिल सके।

जिलाधिकारी ने कहा कि कृषि विभाग आकांक्षी जिलों और आकांक्षी ब्लॉकों में योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगा। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे अपनी भूमि की प्रकृति, जलवायु और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार फसलों का चयन करें, जिससे उत्पादन और आय दोनों में वृद्धि हो सके। उन्होंने किसानों को वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों, फसल विविधिकरण, जैविक खेती और समूह आधारित खेती अपनाने के लिए भी प्रेरित किया।

इस अवसर पर मुख्य कृषि अधिकारी एस.एस. वर्मा, सीएचओ डॉ. रजनीश सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

## एक नजर

### प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ा पिथौरागढ़

जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 35,440 करोड़ रुपये की कृषि योजनाओं के शुभारंभ कार्यक्रम से जनपद पिथौरागढ़ भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ा। प्रधानमंत्री ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली में आयोजित विशेष कृषि कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान किसानों से संवाद किया और जनसभा को भी संबोधित किया। विकास भवन सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनपद के किसान, दर्जा राज्यमंत्री गणेश भंडारी, नगर निगम पिथौरागढ़ की मेयर कल्पना देवलाल, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास आशीष पुनेठा, जिला विकास अधिकारी रमा गोस्वामी, मुख्य कृषि अधिकारी अमरेन्द्र चौधरी, मुख्य उद्यान अधिकारी अभिनव टम्टा सहित कृषि, बागवानी एवं पशुपालन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विकास भवन के साथ साथ समस्त विकास खण्ड मुख्यालय पर, केवीके गैना तथा सहकारिता विभाग की समस्त समितियों में भी कार्यक्रम का लाईव प्रसारण किया गया है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने देश के प्रमाणित किसानों, ख्रुृत्र्हृ तकनीशियनों एवं परिवर्तित ख्रुृ प्रतिनिधियों को प्रमाणपत्र वितरित किए तथा दाल उत्पादक किसानों से संवाद भी किया। जनपद के किसानों, अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने विकास भवन एवं अन्य केंद्रों में प्रधानमंत्री के लाइव संबोधन को बड़े उत्साह के साथ सुना।

### आग से बचाव की दी गई जानकारी

पथ प्रवाह पिथौरागढ़। पुलिस महानिरीक्षक अग्निशमन एवं आपात सेवा व पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ निर्देशन में प्रभारी अग्निशमन अधिकारी नरेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में आग से बचाव के लिए प्रशिक्षण दिया गया। थाना नाचनी और पीएम राजकीय इंटर कॉलेज नाचनी में फायर सर्विस द्वारा पुलिसकर्मियो को एवं विद्यालय के स्टाफ़ को अग्निशमन उपकरणों के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों और अन्य स्कूल कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गई तथा उपकरणों के प्रयोग की विधियों का डेमो भी प्रस्तुत किया गया।

## गंगोत्री से लौट रही महिला श्रद्धालु का पर्स 35 हजार नकदी सहित मनेरी पुलिस ने लौटाया

### ईमानदारी और तत्परता का परिचय देते हुए पुलिस टीम ने रेस्टोरेंट से खोजकर वापस किया खोया सामान

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा पर बीड़ (महाराष्ट्र) से आई महिला श्रद्धालु मेघा रमाकांत धर्माधिकारी का पर्स 35 हजार रुपये नकदी और जरूरी कागजात सहित मनेरी पुलिस टीम ने बरामद कर उन्हें लौटा दिया।

जानकारी के अनुसार मेघा रमाकांत धर्माधिकारी 10 अक्टूबर को गंगोत्री धाम दर्शन के उपरांत वापसी के दौरान डबरानी पुल के पास एक रेस्टोरेंट में चाय पीने के लिए रुकी थीं। उसी दौरान उनका पर्स रेस्टोरेंट में ही छूट गया, जिसमें 35 हजार रुपये नकद, आधार कार्ड और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे हुए थे। पर्स गुम होने की सूचना मिलते ही मनेरी कोतवाली पुलिस टीम सक्रिय हुई और तत्काल जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस ने आसपास के रेस्टोरेंट संचालकों से संपर्क किया, जिसके बाद रेस्टोरेंट मालिक के पास से वह पर्स सुरक्षित बरामद किया गया।

आज शनिवार को मनेरी कोतवाली परिसर में पुलिस टीम ने पर्स को नकदी और कागजात सहित महिला श्रद्धालु को सौंप दिया। पर्स वापस मिलने पर मेघा रमाकांत धर्माधिकारी ने उत्तरकाशी पुलिस का आभार व्यक्त किया और कहा कि पुलिस की ईमानदारी और संवेदनशीलता से उनका भरोसा और मजबूत हुआ है। स्थानीय लोगों ने भी मनेरी पुलिस की तत्परता और सजगता की सराहना की, इसे चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सहयोग के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

## शिक्षा, अधिकार और नेतृत्व से ही सशक्त होगी हर बालिका बड़कोट में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

बड़कोट/उत्तरकाशी। माननीय उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देशानुसार एवं मा0 जिला जज/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी गुरूबख्श सिंह के मार्गदर्शन में राजकीय आदर्श बालिका इंटर कॉलेज, बड़कोट उत्तरकाशी में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर एक विशेष विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित छात्र-छात्राओं, अध्यापकों एवं जनसामान्य को बालिकाओं के शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और कानूनी अधिकारों से संबंधित जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि बालिकाओं को समान अवसर और सुरक्षा देना समाज की जिम्मेदारी है, क्योंकि एक शिक्षित व सशक्त बालिका ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला रखती है। जानकारी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस की शुरुआत 1995 के बीजिंग महिला सम्मेलन से हुई थी, जिसमें विश्वभर की महिलाओं ने लड़कियों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई थी। इसके उपरांत, संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2011 में 11 अक्टूबर को इस दिवस के रूप में आधिकारिक मान्यता दी। इस वर्ष की थीम लड़कियों का नेतृत्व और उनकी स्वतंत्र पहचान रखी गई है, जो यह संदेश देती है कि लड़कियां केवल भविष्य की आशा नहीं, बल्कि वर्तमान में परिवर्तन लाने की असली शक्ति हैं। प्रत्येक बालिका में समाज को दिशा देने की क्षमता होती है, आवश्यकता केवल उसे पहचानने और अवसर प्रदान करने की है।

शिविर में उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, चिकित्सा विभाग सहित विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएँ, छात्राएँ एवं अन्य कर्मचारीगणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

## अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित बेटियों के अधिकार, शिक्षा और सशक्तिकरण पर हुआ संवाद

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। माननीय उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देशानुसार एवं मा0 जिला जज/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उत्तरकाशी गुरूबख्श सिंह के मार्गदर्शन में आज ÷अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस÷ के अवसर पर एक विशेष विधिक जागरूकता/साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ज्ञान ज्योति स्कूल, धिवरा उपला, पुरोला में प्रातः 8:00 बजे से 10:00 बजे तक आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता विवेक शर्मा, अध्यक्ष, तहसील विधिक सेवा समिति, पुरोला, उत्तरकाशी ने की। शिविर के दौरान छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों को बालिकाओं की शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य देखभाल, तथा उनके कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

वक्ताओं ने बताया कि बालिकाओं के सशक्तिकरण से ही समाज में वास्तविक प्रगति संभव है और प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह बालिकाओं को समान अवसर प्रदान करे।

# लोक सेवा आयोग की लापरवाही उजागर - अभ्यर्थी के मूल अभिलेख गायब, सूचना आयोग ने जांच व क्षतिपूर्ति के आदेश दिए

सुरेंद्र पाल सिंह

देहरादून। उत्तराखण्ड सूचना आयोग, देहरादून में डा0 शम्भू प्रसाद नौटियाल बनाम उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, हरिद्वार प्रकरण की सुनवाई के दौरान एक गंभीर प्रशासनिक लापरवाही का मामला सामने आया है। मुख्य सूचना आयुक्त राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में हुई सुनवाई में यह तथ्य उजागर हुआ कि अभ्यर्थी द्वारा आयोग को पंजीकृत डाक से भेजे गए मूल अभिलेख आयोग के कार्यालय में पंजीकरण के बाद भी उपलब्ध नहीं हैं।

सूचना आयोग ने इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, हरिद्वार के सचिव को निर्देशित किया है कि वे अभ्यर्थी के दस्तावेजों के न मिलने, खो जाने या विनष्ट किए जाने की स्थिति की नियमानुसार जांच कराएं और अगली सुनवाई से पूर्व विस्तृत आख्या आयोग को भेजें।

### मामला कैसे शुरू हुआ

अपीलार्थी डा0 शम्भू प्रसाद नौटियाल, ग्राम भाटगांव, पोस्ट थाती, धनारी, जिला उत्तरकाशी निवासी हैं। उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत 19 मार्च 2025 को दो बिंदुओं पर सूचना मांगी थी। पहले बिंदु पर उन्हें संतोषजनक सूचना प्राप्त हुई, किंतु दूसरे बिंदु पर – जिसमें उन्होंने अपने द्वारा 28 मई 2022 को भेजे गए पंजीकृत पत्र (Consignment No. RV773146306IN) के अंतर्गत भेजे गए अभिलेखों की प्रमाणित प्रति मांगी थी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई।

लोक सूचना अधिकारी ने बताया कि पत्र की प्राप्ति पंजिका में दर्ज है, लेकिन संबंधित अभिलेख सेवा अनुभाग-2 की पत्रावली में उपलब्ध नहीं हैं।

### असिस्टेंट प्रोफेसर चयन से जुड़ा मामला

डा0 नौटियाल ने असिस्टेंट प्रोफेसर (राजकीय महाविद्यालय) चयन-2021 के अंतर्गत आवेदन किया था। आयोग के अनुसार, उन्होंने अपने आवेदन के साथ विज्ञापन में मांगा गया परिशिष्ट-3 प्रमाण पत्र (क्षद्ध.ष्ठ. हेतु) प्रस्तुत नहीं किया, जिसके कारण उन्हें 01 नवम्बर 2023 की अनर्हता सूची में शामिल कर दिया गया और बाद में 15 फरवरी 2024 को अंतिम रूप से अनर्ह घोषित किया गया।

डा0 नौटियाल ने इस निर्णय को उच्च न्यायालय नैनीताल में चुनौती दी, जहाँ से उनकी रिट याचिका 18 मार्च 2025 को खारिज कर दी गई। वर्तमान में उनका प्रकरण उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली में विचाराधीन है।

### आयोग ने जताई गंभीर चिंता

मुख्य सूचना आयुक्त राधा रतूड़ी ने अपने आदेश में कहा कि यह अत्यंत गंभीर प्रकरण है कि किसी अभ्यर्थी द्वारा भेजे गए दस्तावेज पंजीकृत होने के बाद भी कार्यालय से लापता हो जाएं। यह न केवल पारदर्शिता की भावना के विपरीत है, बल्कि सरकारी संस्थाओं की जवाबदेही पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है।

### क्षतिपूर्ति पर कारण बताओ नोटिस

सुनवाई के दौरान डा0 नौटियाल ने आयोग को एक पत्र (दिनांक 25 सितंबर 2025) प्रस्तुत कर मानसिक एवं आर्थिक क्षति के लिए ?5,000 की क्षतिपूर्ति की मांग की। इस पर सूचना आयोग ने लोक प्राधिकारी / सचिव, उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, हरिद्वार को धारा 19(8)(ख) के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न अभ्यर्थी को क्षतिपूर्ति के रूप में यह राशि प्रदान की जाए।

### अगली सुनवाई 19 नवम्बर को

आयोग ने पूरे प्रकरण की अग्रेतर सुनवाई 19 नवम्बर 2025 को निर्धारित की है और तब तक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

यह मामला न केवल सूचना के अधिकार अधिनियम की प्रासंगिकता को रेखांकित करता है, बल्कि सरकारी विभागों में दस्तावेजों की सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही की गंभीर स्थिति को भी उजागर करता है।

## एक नजर

### ममता ने कश्मीर में दो पैराकमांडो की शहादत पर शोक जताया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवाद-रोधी अभियान के दौरान प्रदेश के दो सैन्य पैराकमांडो की शहादत पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, ÷हमारे बंगाल के दो बहादुर पैराकमांडो की शहादत से दुखी हूँ, जिन्होंने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में आतंकवाद-रोधी अभियान के दौरान चरम मौसम का सामना करते हुए प्राण त्याग दिए।÷

उन्होंने आगे कहा, ÷बीरभूम के हमारे लांस नायक सुजॉय घोष और मुर्शिदाबाद के लांस हवलदार पलाश घोष को उनके देश की रक्षा के लिए उनके अनुकरणीय पराक्रम, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान के लिए सलाम। उनके परिवारों और दोस्तों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। हमारी सरकार इस दुख की घड़ी में हर संभव सहायता प्रदान करेगी।÷

मुख्यमंत्री का यह बयान सेना द्वारा इस बात की पुष्टि के बाद आया है कि दो लापता पैराकमांडो के शव कोकरनाग के गडोले के ऊँचाई वाले जंगलों में बरामद किए गए हैं, जहाँ वे इस सप्ताह की शुरुआत में एक आतंकवाद-रोधी अभियान के दौरान लापता हो गए थे।

सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर के अनुसार दोनों जवान एक विशिष्ट पैरा यूनिट का हिस्सा थे जो तलाशी अभियान चला रही थी, तभी वे अचानक आए बर्फ़ीले तूफ़ान में फंस गए। बुधवार को सेना का इन दोनों जवानों से संपर्क टूट गया था। जिसके बाद बर्फ़ से ढके इलाके में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि पांच पैरा यूनिट के लांस हवलदार पलाश घोष का शव गुरुवार को उनके हथियार और पीठथैला के साथ बरामद किया गया, जबकि लांस नायक सुजॉय घोष कल उसी इलाके में मृत पाए गए। एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में लगभग दो फीट ताज़ा हिमपात हुआ है, जिससे बचाव कार्य बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग सेक्टर में स्थित गडोले क्षेत्र में पहले भी कई आतंकवाद-रोधी अभियान चलाए जा चुके हैं जिसके चलते शुरुआती अटकलें लगाई जा रही थीं कि दोनों किसी मुठभेड़ के दौरान लापता हो गए होंगे। सेना ने हालांकि बाद में स्पष्ट किया कि वे अभियान के दौरान आए बर्फीले तूफ़ान के शिकार हुए थे। राज्य सचिवालय नबन्ना के अधिकारियों ने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही शोक संतप्त परिवारों से संपर्क कर उन्हें आर्थिक सहायता और अन्य प्रकार की सहायता प्रदान करेगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार दोनों सैनिकों के पार्थिव शरीर सप्ताहांत में बंगाल वापस लाए जाने की उम्मीद है, जहाँ उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी जाएगी।

### गिल के नाबाद शतक और जडेजा के तीन झटकों से भारत ने कसा शिकंजा

नयी दिल्ली। कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 129) के बेहतरीन शतक से भारत ने दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को पांच विकेट पर 518 रन बनाकर अपनी पारी घोषित कर दी और लेफ्ट आर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा ने तीन विकेट झटककर वेस्ट इंडीज का पहली पारी में स्कोर चार विकेट पर 140 रन कर दिया। विंडीज अभी भारत के स्कोर से 378 रन पीछे है।

एक और दिन भारतीयों के नाम रहा। वेस्टइंडीज ने अहमदाबाद की तुलना में ज़्यादा धैर्य और दृढ़ संकल्प दिखाया, लेकिन फिर भी एकाग्रता में कुछ कमियाँ देखने को मिलीं, जिसका उन्हें इस सीरीज में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। भारत ने आज 5 विकेट पर 518 रन बनाकर पारी घोषित करने से पहले ठीक 200 रन और जोड़े - यशस्वी जायसवाल के 175 और शुभमन गिल के 129* रनों की बदौलत टीम ने बड़ा स्कोर बनाया।

जॉन कैंपबेल एक अजीबोगरीब तरीके से आउट हुए, लेकिन तेज नारायण चंद्रपॉल और एलिक ऐथनेज ने धैर्य बनाए रखा और दूसरे विकेट के लिए 66 रनों की साझेदारी की। लेकिन जैसा कि पहले अक्सर होता आया है, एक गलती के कारण चंद्रपॉल आउट हो गए और मेहमान टीम का स्कोर 87/1 से 107/4 हो गया। शाई होप काफी सकारात्मक दिखे और टेविन इमलाक ने आत्मविश्वास से बल्लेबाजी की। विकेट पर अभी भी रन बने हुए हैं और उन्हें कल अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद होगी। भारत के लिए, सब कुछ धैर्य बनाए रखने, सही क्षेत्रों में गेंदबाज़ी करने और अपरिहार्य गलती का इंतज़ार करने पर निर्भर करता है।

भारत के पारी घोषित करने के बाद जब वेस्ट इंडीज ने खेलना शुरू किया तो उसे पहला झटका जल्द ही लगा। लेफ्ट आर्म स्पिनर जडेजा ने जॉन कैंपबेल को आउट कर दिया। कैंपबेल ने 10 रन बनाये और विंडीज का पहला विकेट 21 के स्कोर पर गिरा।

तेज नारायण चंद्रपाल और ऐलेक ऐथनेज ने दूसरे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी की। लेकिन जडेजा ने चंद्रपाल को केएल राहुल के हाथों कैच कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। चंद्रपाल ने 67 गेंदों में 34 रन बनाये।

# जेपी जयंती पर जगह-जगह श्रद्धांजलि कार्यक्रम, राधाकृष्णन ने किया लोकनायक के गांव का दौरा

नयी दिल्ली। स्वतंत्र भारत में भ्रष्टाचार और अधिनायकवाद के विरुद्ध सम्पूर्ण क्रांति का नारा देकर 1970 के दशक में युवाओं का सबसे बड़ा आंदोलन खड़ा करने वाले लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 123वीं जयंती पर शनिवार को उनको मानने वालों ने जगह-जगह श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किये।

दिवंगत नेता को सोशल मीडिया पर भी याद किया और इसमें गणमान्य से लेकर सामान्य जन तक ने जयप्रकाश नारायण के देश की राजनीति में महान स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता के महती योगदान का उल्लेख किया।

जेपी नाम से लोकप्रिय जयप्रकाश नारायण की जयंती पर इस बार एक बड़ा कार्यक्रम बिहार के सारण जिले में उनकी जन्मस्थली सीताब दियारा गांव में उनके पैतृक घर पर हुआ। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को सीताब दियारा पहुंच कर महान नेता की स्मृतियों को याद किया और वहां घर में रखे उनके अभिलेखों और स्मृति चिह्नों को देखा।

उपराष्ट्रपति ने उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायणजी की 123वीं जयंती पर बिहार के सारण जिले में उनके पैतृक गांव सीताब दियारा में उनके स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। उपराष्ट्रपति ने बाद में लाला टोला, सिताब दियारा स्थित जयप्रभा स्मृति भवन में प्रदर्शनी गैलरी का अवलोकन किया जिसे लोकनायक जयप्रकाश नारायण की पत्नी प्रभावती देवी की स्मृति में स्थापित किया गया है। राधाकृष्ण ने इस बात का भी उल्लेख किया कि किस प्रकार वह व्यवस्था परिवर्तन के जेपी के आह्वान पर 19 वर्ष की आयु में संपूर्णक्रांति के आंदोलन में जुड़ गये थे। जेपी आंदोलन के बाद केंद्र में पहली बार 1977 में गैर कांग्रेसी सरकार का गठन हुआ था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में सामाजिक-राजनीतिक जागृति को प्रेरित करने में जेपी की भूमिका का स्मरण किया। श्री मोदी ने आपातकाल के दौरान लिखी गई लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जेल डायरी के 25 जुलाई, 1975 को लिखे दुर्लभ पृष्ठ को भी साझा किया।

श्री मोदी ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने विशेष रूप से बिहार और गुजरात में कई जन आंदोलनों को प्रेरित किया, जिससे पूरे भारत में सामाजिक-राजनीतिक जागृति आई। इन आंदोलनों ने केंद्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार को हिलाकर रख दिया, जिसने आपातकाल लागू किया और संविधान को रौंद डाला।

उन्होंने कहा कि जेपी ने अपना जीवन आम नागरिकों को सशक्त बनाने और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए समर्पित कर दिया। उनके संपूर्ण क्रांति के आह्वान ने एक सामाजिक आंदोलन को प्रज्वलित किया, जिसका उद्देश्य समानता, नैतिकता और सुशासन पर आधारित राष्ट्र का निर्माण करना था।

प्रधानमंत्री ने जेपी के इन मार्मिक शब्दों का भी उल्लेख किया जिनमें उन्होंने कहा था, भारतीय लोकतंत्र के ताबूत में ठोकी गई हर कील मेरे दिल में ठोकी गई कील के समान है।

भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लोकनायक के चित्र पर माल्यर्पण किया और सोशल मीडिया पर कहा, मेरा सौभाग्य है कि वर्ष-1975 में आपातकाल के दौरान लोकनायक द्वारा शुरू किए गये संपूर्ण क्रांति आंदोलन में सम्मिलित होकर राजनीति के माध्यम से राष्ट्र और जनता की सेवा का संकल्प लिया था।

लोकतंत्र के सशक्त प्रहरी के रूप में जेपी ने व्यवस्था परिवर्तन को अपना लक्ष्य बनाया और सदैव जन-आवाज़ को सर्वोपरि रखा। आज उनके आदर्शों पर चलते हुए मोदी सरकार जनता के अधिकार, न्याय, सुशासन और स्वराज के लिए समर्पित है।

## वैष्णव ने नयी दिल्ली स्टेशन पर भीड़ को नियंत्रित करने की तैयारियों का लिया जायजा

नयी दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव दीपावली और छठ के दौरान यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने को लेकर की गयी तैयारियों का जायजा लेने शनिवार को नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे और अधिकारियों से बात कर स्थिति का आकलन किया।

श्री वैष्णव ने स्टेशन पर होल्डिंग एरिया का निरीक्षण करने के बाद संवाददाताओं से कहा, ÷ नयी दिल्ली स्टेशन पर यात्रियों की अचानक भीड़ उमड़ पड़ती है। इसे देखते हुए दो साल पहले एक अस्थायी होल्डिंग एरिया के साथ एक प्रयोग किया गया था। उस प्रयोग से यहां आने वाले यात्रियों को बहुत लाभ हुआ। अब,

एक स्थायी क्षेत्र और यात्री सुविधा केंद्र, बनाया गया है। इससे आने वाले यात्रियों, खासकर बिना आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि अंदर के सभी टिकट काउंटरों को स्थानांतरित किया जा रहा है... यात्रियों के आने पर उन्हें स्वागत योग्य वातावरण, बैठने के लिए एक बड़ा क्षेत्र और बड़ी संख्या में शौचालय मिलेंगे। यह नयी दिल्ली स्टेशन के लिए एक स्थायी सुविधा है। देश भर के 76 स्टेशनों पर इसी तरह की व्यवस्था लागू की जा रही है, ताकि यात्रियों को प्लेटफार्मों पर भीड़ न लगानी पड़े। इस व्यवस्था को एक नये स्तर पर लाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, छठ और दिवाली जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान अचानक भीड़ बढ़ जाती है।

# एसएमजेएन कॉलेज में अंतरमहाविद्यालयी कुश्ती प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

पथ प्रवाह, हरिद्वार

एसएमजेएन पीजी कॉलेज, हरिद्वार में आयोजित अंतरमहाविद्यालयी कुश्ती (पुरुष एवं महिला वर्ग) प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबले वंदना कटारिया अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम रोशनाबाद में खेले गए। पुरुष और महिला वर्ग के खिलाड़ियों ने मुकाबला जीतने के लिए पूरा दमखम लगाया। जबकि प्रतियोगिता कार्यक्रम की भव्य रंगारंग शुभारंभ एसएमजेएन कॉलेज के प्रांगण में हुआ। कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से प्रतियोगिता के आयोजन को उत्साहपूर्ण बनाया।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय प्रबंध समिति के सचिव महंत श्री रवींद्र पुरी महाराज ने की। जबकि मुख्य अतिथि के रूप में श्री देव सुमन विश्वविद्यालय के क्रीड़ा सचिव डॉ. पुष्कर गौड़ उपस्थित रहे।

### महंत रवींद्र पुरी महाराज ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

कार्यक्रम के उदघाटन सत्र पर अपने संबोधन में महंत रवींद्र पुरी महाराज ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की नई खेल नीति 2025 में भारतीय खेलों – खो-खो, कबड्डी और कुश्ती – को नई ऊंचाई देने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि इन पारंपरिक खेलों से भारतीय संस्कृति का जुड़ाव मजबूत होगा।

उन्होंने सफल आयोजन के लिए खेलकूद समिति अध्यक्ष विनय थपलियाल, डॉ. शिव कुमार चौहान, डॉ. मनोज सोही एवं डॉ. रिंकल गोयल की सराहना की।

### विश्वविद्यालय क्रीड़ा सचिव डॉ. पुष्कर गौड़ का संबोधन

विशिष्ट अतिथि डॉ. पुष्कर गौड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के विकास के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने चयनित खिलाड़ियों को नॉर्थ जोन प्रतियोगिता में सफलता की शुभकामनाएं दीं।

### कुश्ती भारतीयता की प्रतीक- प्राचार्य प्रो. बत्रा

प्राचार्य प्रो. डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि कुश्ती भारत का सबसे प्राचीन खेल है, जो कभी सैनिकों के शारीरिक सौष्ठव का आधार रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एनके. जोशी का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने एसएमजेएन. कॉलेज को इस प्रतियोगिता के आयोजन हेतु चयनित किया।

### महाविद्यालय की प्रतिभाओं ने जीते स्वर्ण और रजत पदक

वंदना कटारिया स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में कुल छह टीमों ने भाग लिया –

एसएमजेएन पीजी कॉलेज हरिद्वार, सरस्वती गोचर स्नातकोत्तर महाविद्यालय भगवानपुर, जसपाल राणा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी देहरादून, एस.एम.आर.जे. पीजी कॉलेज सैया, एवं राजा महेंद्र प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुरुकुल नारसन।

### महिला वर्ग

कशिश ठाकुर – स्वर्ण (एस.एम.जे.एन. हरिद्वार)
शिवांगी कंसल – स्वर्ण (एस.एम.जे.एन. हरिद्वार)
दीक्षा यादव, ओमिशा, शिखा – रजत पदक
जानवी (आर.एम.पी.जी. कॉलेज) – 57 किग्रा स्वर्ण
अनु (आर.एम.पी.जी. कॉलेज) – 59 किग्रा स्वर्ण

### पुरुष वर्ग

मुंतजिर एवं कनिष्क नाथ – स्वर्ण (एस.एम.जे.एन.)
आदित्य तोमर – 60 किग्रा (एस.एम.आर.जे. कॉलेज सैया)
हर्षित तोमर – 61 किग्रा
वसील – 65 किग्रा (सरस्वती गोचर, भगवानपुर)

### सचिन कुमार – 67 किग्रा

सागर, विशु तोमर, प्रियम, मुकुल, हेमंत, वासु, एवं कृष ने विभिन्न भार वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. सुनील कुमार बत्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी एवं खेलकूद अधीक्षक विनय थपलियाल के संयोजन में किया गया।

### कार्यक्रम संचालन और सम्मान समारोह

कार्यक्रम का संचालन खेलकूद अधीक्षक विनय थपलियाल ने किया। कोच मोहित नौटियाल एवं अक्षय राठी को उनकी भूमिका के लिए प्राचार्य प्रो. बत्रा द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। पंजीकरण कार्य हेतु प्रो. जे.सी. आर्य, डॉ. विनीता चौहान और दिव्यांश शर्मा को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में अनिल तोमर, सुनील शर्मा एवं सरदार महिपाल सिंह (राजेंद्र जनजातीय पीजी कॉलेज) उपस्थित रहे।

### सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

सांस्कृतिक कार्यक्रम में चारु, संध्या, सोनाली, मयूरी, टिया ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए, जबकि मेहताब आलम ने ÷जग घुमिया थारे जैसा ना कोई÷ गीत से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीत विभाग की डॉ. अमिता मल्होत्रा, प्रशिक्षु गौरव बंसल एवं छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय कुल गीत की शानदार प्रस्तुति दी।

### सेवा एवं सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापन

अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय माहेश्वरी ने सीएमओ हरिद्वार डॉ. आर.के. सिंह का एंबुलेंस एवं चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सपना और योगेश (चिकित्सा विभाग) भी उपस्थित रहे।

# विश्व बालिका दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित किया गया जागरूकता कार्यक्रम

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देशानुसार एवं जिला जज/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पिथौरागढ़ के मार्गदर्शन में, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पिथौरागढ़ मंजू देवी द्वारा आज राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, ऐंचोली में विश्व बालिका दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सचिव मंजू देवी ने उपस्थित छात्राओं को बालिकाओं के सर्वांगीण विकास, समाज में उनकी भूमिका, बालिका एवं राष्ट्र सशक्तिकरण के महत्व पर संबोधित किया। उन्होंने बालिकाओं को शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सम्मान का अधिकार सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने बाल विवाह निषेध अधिनियम, बाल श्रम निषेध, तथा पोक्सो अधिनियम (क्क्रह्रस्ह्र ष्ठ्र) से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी साझा कीं। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या, शिक्षकगण तथा 161 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

# लोकतंत्र और समानता की भावना का जीवंत उदाहरण है भारत : बिरला

नयी दिल्ली/ब्रिजटाउन। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि भारतीय संविधान पिछले 75 वर्षों से देश के लिए पथ-प्रदर्शन का दीपस्तंभ रहा है और इसके कारण भारत ने दुनिया के समक्ष लोकतंत्र और समानता का एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया है। बिरला ने बारबाडोस की राजधानी ब्रिजटाउन में 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन की आम सभा में राष्ट्रमंडल - एक वैश्विक भागीदार विषय पर प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए शनिवार को कहा कि लोकतंत्र भारत की आत्मा है, समानता इसका संकल्प है और न्याय इसकी पहचान है।

उन्होंने पीठासीन अधिकारियों को अगले साल जनवरी में भारत में होने वाले राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया और कहा कि राष्ट्रमंडल सांसदों के पीठासीन अधिकारी 7 से 9 जनवरी तक होने वाले सीएसपीओसी में भाग लेने के लिए आयें। लोकसभा अध्यक्ष ने इस बात पर ज़ोर दिया कि

जलवायु परिवर्तन, महामारी, खाद्य असुरक्षा और असमानता जैसे वैश्विक संकट सीमाओं से परे हैं और इनके लिए सामूहिक समाधान की आवश्यकता है। श्री बिरला ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि समाधान अलग-थलग रहकर नहीं ढूँढे जा सकते। बिरला ने विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र और सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत पेरिस समझौते के लक्ष्यों को समय से पहले पूरा करने वाला पहला प्रमुख देश बन गया है। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन जैसी पहलों के माध्यम से, भारत ने पृथ्वी के प्रति वैश्विक ज़िम्मेदारी पर ज़ोर दिया है। लोकसभा अध्यक्ष ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में भारत के प्रयासों के बारे में बताते हुए पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण के प्रावधानों का उल्लेख किया । उन्होंने बताया कि ग्रामीण पंचायती राज संस्थाओं में 31 लाख निर्वाचित प्रतिनिधियों में से 14 लाख से अधिक महिलाएँ हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का भी उल्लेख किया, जिसके अंतर्गत संसद और विधान सभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण प्रावधान किया गया है, और भारतीय लोकतांत्रिक संस्थाओं में युवाओं और महिलाओं को प्राथमिकता दिए जाने पर ज़ोर दिया।

# सोनिया ने पूर्व आईपीएस पूरन कुमार की पत्नी को लिखा पत्र

नयी दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने हरियाणा के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी वाई पूरन कुमार की पत्नी एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अमनीत पी कुमार को पत्र लिखकर सांत्वना देते हुए कहा है कि इस मुश्किल घड़ी में वह उनके साथ खड़ी है।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि यह दुखद और व्यथित करने वाली घटना है। उनका कहना था किसी श्री पूरन कुमार ने सामाजिक न्याय की कसौटी पर खरा उतरने के अपने कर्तव्य का बखूबी पालन किया है। उनका काम याद दिलाता है कि हमारे देश में ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठता के मूल्य आज भी महत्वपूर्ण हैं।

श्रीमती गांधी ने श्रीमती अमनीत पी कुमार को लिखे पत्र में कहा, आपके पति और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की दुखद दुर्घटना में मृत्यु का समाचार अत्यंत पीड़ादायक और मन को व्यथित करने वाला है। इस कठिन समय में मेरी और कांग्रेस संसदीय दल की ओर से आपको और आपके पूरे परिवार को हार्दिक संवेदना।

उन्होंने लिखा वाई पूरन कुमार का निधन हमें यह याद दिलाता है कि आज भी हमारे देश में ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के मूल्य सर्वोच्च हैं। उन्होंने एक बड़े अधिकारी होते हुए भी सामाजिक न्याय की कसौटी पर खरा उतरने का उदाहरण प्रस्तुत किया। न्याय के इस दौर में मैं और देश के करोड़ों नागरिक आपके साथ खड़े हैं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि इस कठिन परिस्थिति में वह आपको धैर्य, साहस और संबल प्रदान करें।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन–249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, सुरेन्द्र पाल सिंह (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई– www.pathpravah.com